



[https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN\\_HI/intro](https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro)

## बेहसेट्स रोग

के संस्करण 2016

### 3. दैनिकि दनिचर्या

#### 3.1 यह रोग बच्चे और उसके परिवार के दैनिकि जीवन को कैसे प्रभावति कर सकता है ?

किसी भी अन्य जीर्ण बीमारी की तरह बी.डी. बच्चों और उनके परिवार के दैनिकि जीवन को प्रभावति करता है। आम तौर पर रोग हलका हो तो आँख और प्रमुख अंग लपित नहीं होते हैं, बच्चे और उनका परिवार सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं। सबसे आम समस्या बारबार होने वाले मौखिक अल्सर है जो कई बच्चों के लिए कस्टप्रद होती है। यह घाव दर्दनाक हो सकती है और खाने और पीने में दखल दे सकती है। आँखों की भागीदारी भी परिवार के लिए गंभीर हो सकती है।

#### 3.2 स्कूल के बारे में क्या ?

जनि बच्चों में स्थाई रोग होता है उन्हें अपनी शिक्षा को जारी रखना चाहिए। जब तक बी.डी. से आँखों और अन्य प्रमुख अंग प्रभावति नहीं होते हैं तब तक बच्चों को नियमति रूप से स्कूल में शामिल होना चाहिए। दृश्य हनी में विशेष शैक्षिक कार्यक्रम की आवश्यकता होती है।

#### 3.3 खेल क बारे में ?

जनि बच्चे में केवल त्वचा एवं म्युकोसा लपित है, वे सामन्य खेलकूद गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। जोड़ो के सुजन के दौरान खेलों से बचना चाहिए। बी.डी. में गठिया अल्पकालिक और पुनः पूरी तरह से ठीक हो जाता है। मरीज पुनः खेल खेलना शुरू कर सकता है जब सुजन पूरी तरह से खत्म हो जाती है। हालाकि बच्चों में पाव की संवहनी की समस्या हो तो उन्हें लम्बे समय तक खड़े रहने से बचना चाहिए।

#### 3.4 आहार के बारे में ?

भोजन के सेवन पर कोई प्रतबिन्ध नहीं होता है। सामान्य तौर पर बच्चों को उनकी उमर के हिसाब से सामन्य व संतुलति भोजन करना चाहिए। बढ़ते हुए बच्चों के लिए संतुलति और

---

स्वस्थ आहार में पर्याप्त प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन से भरपूर होना चाहिए।  
कर्तकोस्तेरोइड लेने वाले बच्चों को भूख ज्यादा लगती है कर्नतु इन्हें अधक खान – पान से  
बचना चाहिए।

**3.5 क्वा जलवायु से यह बीमारी प्रभावतु हो सकती है।**  
नहीं, जलवायु से बी.डी. की अभव्यक्तु पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

**3.6 क्वा इन बच्चों का टीकाकरण क्वा जा सकता है ?**  
चकतुसक ही फैसला करता है की बच्चे को कोनसा टीका लगा सकते है। इम्युनोसप्रेसवु  
दावा (साइक्लोस्पोरनु ए, साइक्लोफोस्फमाइड, एंटी-टी.एन.एफ. इतुयादु), से ईलाज लेने  
वाले बच्चों को नमूनलखतु टीकाकरण (एंटी रूबेला, एंटी मसुल्स, एंटी मम्प्स, एंटी  
पोलुयो सबनु) ईलाज के कुछ समय पश्चात दलुा जाता है। यह इसलए क्वाकं इनमे  
जीवतु वायरस होते है।  
वह टकुं जनुमे जीवतु वायरस नहीं है जैसे (एंटी टटुनेस, एंटी डफुथेरलुा, एंटी पोललुआ  
सालुक, एंटी हेपेटाईटसु बी. एंटी परटूसुस, न्युमोकुकस, हेमोफलुस, मेनगुकाकास,  
इन्फ्लुएंजा), इन बच्चो को दलुा जा सकते है।

**3.7 यौन जीवन, गर्भावसुता, और जनुम नयंतुरण के बारे में ?**  
लैगगु अल्सर का वकसतु होना यौन जीवन को प्रभावतु कर सकता है। इन अल्सर में दर्द  
होने से सम्भोग में बाधा आ सकती है। बी.डी. वाली महिलाओं में यह रोग हल्के रूप में होता है  
और उनको सामान्य गर्भावसुथा का अनुभव होना चाहिए। इम्युनोसप्रेसवु दवाओं का  
उपयोग चलते समय जनुम नयंतुरण साधन पर ध्यान रखना आवशुयक है। मरुज को  
गर्भावसुथा और जनुम नयंतुरण के समय चकतुसक की सलाह जरुर लेना चाहिए।